UPSC Answer writing

1)Optional Subjects-History (प्रमुख) — Modern/World **History**

2)General Studies (GS) Paper I

3)General Studies (GS) Paper III

4)Esay Paper

उत्तर —

औद्योगिक क्रांति वह प्रक्रिया है जिसमें अठारहवीं शताब्दी के बाद अर्थव्यवस्था और शिल्प-विज्ञान में तेज़ और संगठित परिवर्तन हुआ तथा मशीनों और संयंत्रों के माध्यम से उत्पादन का आधुनिक स्वरूप जन्मा। शाब्दिक अर्थ में 'क्रांति' का अर्थ किसी समाज के ढाँचे या लोगों के विचारों में गहरा तथा व्यापक परिवर्तन है।

आरम्भ और कारण —

औद्योगिक क्रांति का आरम्भ इंग्लैंड में हुआ। लगभग 1750 ई. के बाद यूरोपीय व्यापारियों द्वारा पूँजी सँचय, उपनिवेशों से सस्ता कच्चा माल की उपलब्धता, लोहा और कोयले की प्रचुरता तथा बाजारों में बढ़ती माँग ने निवेश को आकर्षित किया। सूत-काटने आदि औद्योगिक मशीनों तथा भाप इंजन के आविष्कार ने उत्पादन प्रक्रिया को तीव्र कर दिया। पक्की सड़कों, डाक-तार और जल तथा समुद्री परिवहन के विकास ने वस्तुओं के गति से परिवहन में सहायता की।

परिणाम (सकारात्मक)—
औद्योगिकीकरण के कारण नए-नए कृषि औज़ार तथा मशीनें विकसित हुईं; नकदी फसलों के उत्पादन की सुविधा बढ़ी और कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई। उद्योगों में उत्पादन तीव्र हुआ और उपभोक्ता सामग्री सस्ती व सुलभ हुई। परिवहन और जहाज़नौका उद्योग का विकास हुआ जिससे व्यापार विस्तृत हुआ।

परिणाम (नकारात्मक / सामाजिक प्रभाव)—
मजदूरों का शारीरिक श्रम बढ़ा; ग्रामीण कामगार शहरीकरण की ओर पलायित होकर गन्दे बस्तियों में रहने को विवश हुए; जीवन-स्तर गिरा; बाल श्रम और महिलाओं का जोखिमपूर्ण उपयोग बढ़ा। समाज दो मुख्य वर्गों —पूँजीपति (धनी) और श्रमिक (गरीब, शोषित)—में विभाजित हो गया, जिससे असमानता गहरी हुई। पर्यावरणीय दबाव और श्रम-संबंधी समस्याएँ भी सामने आईं।

निष्कर्ष —

औद्योगिक क्रांति ने आर्थिक उत्पादकता और तकनीकी प्रगति को अत्यधिक बल दिया परन्तु इसके साथ सामाजिक-सांस्कृतिक असंतुलन, श्रमिक दुर्दशा और असमानता जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुईं। इसलिए किसी भी औद्योगीकरण को सामाजिक न्याय, श्रमिक सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित नीति द्वारा संचालित करना आवश्यक है।

Thank you so much
Jai Hind